**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1197

उत्‍तर देने की तारीख: 20.12.2018

**जम्मू-कश्मीर में बिना अपने भवन वाले केन्द्रीय विद्यालय**

1197. श्री शमशेर सिंह मन्हासः

 क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जम्मू-कश्मीर में ऐसे कुल कितने केन्द्रीय विद्यालय है जिनके अपने भवन है तथा जिनके अपने भवन नहीं है;

(ख) उस राज्य में ऐसे केन्द्रीय विद्यालयों की सूची क्या है जिनके अपने स्कूल भवन नहीं है;

(ग) ऐसे विद्यालय भवनों के बिना कैसे चलाए जा रहे है; और

(घ) स्कूल भवन जैसी मौजूदा संरचनाओं को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क) से (ग): जम्‍मू-कश्‍मीर में कार्यात्‍मक 38 केन्‍द्रीय विद्यालयों (केवी) में से 20 केवी के पास अपने भवन हैं, जबकि 18 केन्‍द्रीय विद्यालयों के पास अपने भवन नहीं हैं। ये स्‍कूल संबंधित प्रायोजक प्राधिकरणों द्वारा उपलब्‍ध कराए गए अस्‍थायी भवनों में चलाए जा रहे हैं। इन केन्‍द्रीय विद्यालयों का विवरण निम्‍नानुसार है:

बांदीपुर (बीएसएफ), करगिल, मिरान साहिब, भदरवा, सांबा, अवन्तिपुरा (एएफएस), हुमहामा (बीएसएफ), सुंदरबनी (बीएसएफ), अखनूर नं.1, अखनूर नं.2, उधमपुर नं.2, अनंतनाग, नुबरा, जोरियां, दमाना, जिन्‍दराह, पहलगांव और अमिनू

(घ): केन्‍द्रीय विद्यालयों के लिए स्‍थायी भवनों का निर्माण उपयुक्‍त भूमि की पहचान, प्रायोजक प्राधिकरणों द्वारा केन्‍द्रीय विद्यालय संगठन के पक्ष में पट्टेदारी की औपचारिकताएं पूरी करने, अपेक्षित संसाधनों की उपलब्‍धता इत्‍यादि पर निर्भर करता है। विभिन्‍न स्‍थानों पर निर्माण कार्य शुरू करने हेतु अनिवार्य आवश्‍यकताओं को पूरा करने के लिए इस मामले को प्रायोजक प्राधिकरणों के साथ सख्‍ती से उठाया गया है।

**\*\*\*\*\***